सफेद बाल शायद कैंसर से बचाते हैं

बाल सफेद होना शायद आपको पसंद न आए, और शायद आप इस सफेदी को ढंकने के प्रयास करें मगर यह जानना रोचक है कि बाल सफेद क्यों होते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि बाल सफेद होने की प्रक्रिया हमें कैंसर से सुरक्षा प्रदान करती है।

हमारे शरीर में कुछ कोशिकाएं ऐसी होती हैं जो रंगीन पदार्थ यानी रंजको का निर्माण करती हैं। इन कोशिकाओं को मेलेनोसाइट कहते हैं और इनके द्वारा बनाया जाने वाले रंजक ही हमारे बालों को रंग प्रदान करते हैं। इन कोशिकाओं की संख्या लगातार कम होती रहती है मगर बालों की जड़ों में मौजूद स्टेम कोशिकाएं इनकी पूर्ति भी करती रहती हैं। जब जड़ों में स्टेम कोशिकाओं की संख्या कम हो जाती हैं, तो बाल सफेद होने लगते हैं।

स्टेम कोशिकाओं की संख्या में कमी कई वजहों से हो सकती है। जैसे टोक्यो मेडिकल एण्ड डेंटल विश्वविद्यालय के एमी निशिमुरा और उनके साथियों ने कुछ चूहों को ऐसे विकिरण और रसायनों के संपर्क में रखा जो अनुवांशिक पदार्थ डीएनए को हानि पहुंचाते हैं, तो क्षतिग्रस्त स्टेम कोशिकाएं स्थायी रूप से मेलेनोसाइट में बदल गईं। इसका मतलब हुआ कि मेलेनोसाइट की आपूर्ति का रास्ता बंद हो गया। अर्थात समय के साथ मेलेनोसाइट कम होते जाएंगे। और हुआ भी यही। ये चूहे सफेद पड़ गए।

निशिमुरा के दल का मत है कि यही प्रक्रिया इन्सानों में भी होती है। उम्र के साथ डीएनए में हो रही क्षति संचित होती जाती है और धीरे-धीरे स्टेम कोशिकाओं की संख्या में कमी आती है। इसी वजह से नए मेलेनोसाइट बनने की गति धीमी पड़ जाती है और बाल सफेद होने लगते हैं।

इस प्रक्रिया के आधार पर कैंसर विशेषज्ञों का मत है कि यह हमें कैंसर से बचाने में सहायक हो सकती है। कारण यह है कि इस प्रक्रिया की बदौलत क्षतिग्रस्त डीएनए वाली स्टेम कोशिकाओं की वृद्धि रुक जाएगी और इस तरह से इनका प्रसार नहीं हो पाएगा और क्षतिग्रस्त डीएनए फैल नहीं पाएगा। यानी बालों का सफेद होना उन कोशिकाओं को हटाने का तरीका है जिनमें कैंसर होने की आशंका पैदा हो चुकी है। वैसे शोधकर्ताओं ने यह नहीं कहा है कि खिजाब लगाने से इस प्रक्रिया में कोई अवरोध उत्पन्न होता है। ***(स्रोत फीचर्स)***